हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, मंगलवार, 4 नवंबर, 2025

11 युवा महोत्सव में युवाओं की प्रतिभा, ऊर्जा और संकल्प का संगम

12 पानी की निकासी, मुआवजे व खाद की किल्लत को लेकर प्रदर्शन

खबर संक्षेप

हेरोइन तस्करी मामले में सप्लायर काबू

फतेहाबाद। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने एक सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी पुत्र गुरजंट सिंह निवासी संतनगर, जिला सिरसा के रूप में हुई है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि यह गिरफ्तारी 27 जून को दर्ज एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले से संबंधित है।

हमला करने के मामले में छठा आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। एक युवक को घेराव उस पर तेजधार हथियारों से हमला करने के मामले में सदर फतेहाबाद पुलिस ने एक ओर युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान बिट्टू पुत्र बलबीर सिंह निवासी मूसेअहली के रूप में हुई है। इससे पहले इसी मामले में 5 आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। 26 जून को गांव मूसे अहली निवासी लखबीर सिंह उर्फ काका पुत्र गुरनाम सिंह ने पुलिस को शिकायत पर की कार्रवाई गई।

हमलावर गैंग के 6 आरोपी काबू

फतेहाबाद। थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने मारपीट और हमला प्रकरण में संलिप्त छह आरोपियों को काबू किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान डोलू पुत्र विजय निवासी कुम्हारिया, रविंद्र निवासी खाराखेड़ी, जयवीर निवासी कुम्हारिया, विकास उर्फ सादू निवासी देवी पुल बस्ती, वार्ड नं. 2, जिला सोनीपत, विकास उर्फ संतोष निवासी खाबड़ा कलां और उमाद उर्फ मोहित निवासी शेखुपुर दडोली जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है।

अप्रेंटिसशिप लगने के लिए ऑनलाइन आवेदन 12 तक

फतेहाबाद। नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम के तहत जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय, फतेहाबाद में इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक ट्रैड पर एक साल की अवधि के लिए अप्रेंटिसशिप रखे जाएंगे। इसके लिए आईटीआई पासशुद्धा अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 3 नवंबर से 12 नवंबर तक अप्रेंटिसशिप इंडिया पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।

मंदिर के दान पात्र से चोरी करने वाला काबू

फतेहाबाद। मंदिर के दान पात्र से रुपये चोरी करने के मामले में रतिया पुलिस ने एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुल्तान सिंह, पुत्र शेर सिंह, निवासी गांव जाखन दादी, रतिया के रूप में हुई है। थाना शहर रतिया प्रभारी उप निरीक्षक रणजीत सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता बलवीर सिंह, पुत्र भगवान सिंह, निवासी गांव जाखन दादी, जो प्रबंधक कमेटी सती मंदिर जाखन दादी के सदस्य हैं, ने शिकायत दर्ज कराई कि मंदिर में रखे दान पात्र में चोरी हुई है।

युवती की अश्लील वीडियो वायरल करने वाला काबू

फतेहाबाद। महिला अपराध मामलों में कार्रवाई करते हुए महिला थाना फतेहाबाद पुलिस ने सोशल मीडिया पर युवती की अश्लील वीडियो वायरल करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सिमरनदीप सिंह पुत्र रणजीत सिंह, निवासी मोहम्मदपुर सोत्तर, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। महिला थाना प्रभारी अरुणा ने बताया कि पीड़िता ने शिकायत दी थी कि आरोपी सिमरनदीप सिंह स्कूल आने-जाने के दौरान उसका पीछा करता था और मोबाइल वीडियो कॉल के माध्यम से अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देता था।

डीसी ने अधिकारियों से 5 साल में खर्च हुई पाई-पाई का मांगा हिसाब, पूछा - क्या हुआ काम, भेजो रिपोर्ट

चिल्ली के सौंदर्यीकरण के नाम पर करोड़ों डकार चुके सरकारी महकमें, मुख्यमंत्री ने मांगी रिपोर्ट तो हिल गया प्रशासन

पिछले सप्ताह दिशा की बैठक में सांसद कुमारी सैलजा ने भी डीसी को पूरे मामले की जांच को कहा था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सौंदर्यीकरण के नाम पर सरकारी विभागों के लिए सोने की मुर्गी बन चुकी शहर की ऐतिहासिक चिल्ली झील को लेकर जिला प्रशासन की नींद खुलती नजर आ रही है। चिल्ली झील के सौंदर्यीकरण के नाम पर अब तक करोड़ों रुपये सरकारी महकमें डाकर चुके हैं। पिछले तीन महीनों में चिल्ली झील न केवल राजनीतिक दलों बल्कि शासन-प्रशासन में चर्चा का विषय बन चुकी है। सितम्बर में विधानसभा उपाध्यक्ष कृष्ण मिढ़ा के नेतृत्व में यहां आई कमेटी के समक्ष अनेक लोगों ने करोड़ों के घपले के आरोप लगाए थे। पिछले सप्ताह दिशा की बैठक में सांसद कुमारी सैलजा ने डीसी को पूरे मामले की जांच को कहा था। हाल ही में फतेहाबाद आए सीएम नायब सैनी ने इस मामले में सीधा हस्तक्षेप कर अधिकारियों से जवाब तलबी की। इसी कड़ी में सोमवार को उपायुक्त डॉ. विवेक भारती चिल्ली झील पर पहुंच गए और सम्बंधित विभागों से सौंदर्यीकरण के नाम पर अब तक हुए सारे खर्च का ब्यौरा तलब किया। इतना ही नहीं, डीसी ने सम्बंधित महकमों से कहा कि पिछले 5 सालों ने किसी विभाग ने कितना खर्च किा और क्या काम हुआ, इसकी रिपोर्ट शीघ्र भेजी जाए। इस मामले में डीसी ने कई अधिकारियों की खूब खिंचाई की और इस प्रोजेक्ट को हल्के में न लेने की सलाह दी। सोमवार को डीसी डॉ. विवेक भारती ने चिल्ली झील सहित शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उपायुक्त ने चिल्ली झील, हैरिटेज पार्क और स्थानीय बाल भवन में संचालित किए जा रहे जिला पुस्तकालय सहित अन्य केंद्रों का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण की शुरुआत चिल्ली झील से हुई। उपायुक्त ने झील में फैली जलखुम्बी व आसपास की खरपतवार को तुरंत हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि झील की सफाई सतत प्रक्रिया के रूप में की जाए, ताकि यह जलस्रोत लंबे समय तक स्वच्छ और सुरक्षित बना रहे। उन्होंने अधिकारियों को आदेश दिया कि झील के निर्माण से अब तक हुए बजट व्यय का पूरा ब्यौरा तैयार कर शीघ्र उपायुक्त कार्यालय में प्रस्तुत किया जाए। साथ ही, यदि झील से संबंधित कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो उसकी विस्तृत जानकारी भी दस्तावेजी रूप में उपलब्ध करवाई जाए।

फतेहाबाद। चिल्ली झील का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते उपायुक्त डॉ. विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

जिला पुस्तकालय का किया दौरा

इसके पश्चात उपायुक्त ने स्थानीय बाल भवन में संचालित किए जा रहे जिला पुस्तकालय का भी दौरा किया। उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत कर उनकी अध्ययन आवश्यकताओं की जानकारी ली। इसके साथ ही, उन्होंने बाल भवन में चल रहे सिलाई केंद्र, बुटिक और क्रेच का निरीक्षण कर इन सुविधाओं के संचालन में गुणवत्ता और अनुशासन बनाए रखने पर बल दिया। इसके बाद उपायुक्त हैरिटेज पार्क पहुंचे, जहां उन्होंने पार्क की साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था की स्थिति देखी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पार्क में लाइट व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि सुबह और शाम के समय टहलने आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

क्या है पूरा चिल्ली प्रोजेक्ट, विपक्ष लगा रहा भ्रष्टाचार के आरोप

बता दें कि फतेहाबाद शहर में चिल्ली को सरकार ने पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाना है। फतेहाबाद में हर चुनाव में चिल्ली झील सबसे बड़ा मुद्दा रहा है। इसके लिए कुछ साल पहले 13 करोड़ रुपए का बजट जारी हुआ था। पब्लिक हेल्थ विभाग को 8 करोड़ 42 लाख रुपए दिए गए थे, जिसमें से विभाग ने 7 करोड़ 40 लाख रुपये खर्च कर डिस्पोजल, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज बनाया और रंगोई नाले तक 7 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन डाली गई है। इसके अलावा सिंचाई विभाग को 1 करोड़ रुपये दिए गए थे। इसमें से विभाग ने 70 लाख रुपये खर्च किए हैं। नगरपरिषद को सौंदर्यकरण का जिम्मा दिया गया था। इसमें दो पार्क बनने थे लेकिन अब तक एक हैरिटेज पार्क ही बन पाया है। विपक्षी दलों ने चिल्ली झील के सौंदर्यीकरण से संबंधित काम में करोड़ों के भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। इस मामले को 28 अक्टूबर को दिशा कमेटी की मीटिंग में सांसद कुमारी सैलजा ने उठाया। उन्होंने झील के फोटो दिखाते हुए डीसी को जांच के लिए कहा था। सैलजा ने कहा कि करोड़ों रुपखर्च कर दिए गए, मगर वह कहां खर्च हुए, उससे क्या काम हुआ। यह कहीं दिख नहीं रहा है। इसकी जांच करवानी चाहिए।

पब्लिक हेल्थ विभाग के एक्सईन पर भड़के डीसी

डॉ.विवेक भारती दौरे के दौरान पब्लिक हेल्थ के एक्सईएन पर भडक़ गए। चिल्ली झील के निरीक्षण के लिए गए डीसी को मौके पर पब्लिक हेल्थ और सिंचाई विभाग के अधिकारी मौके से नदारद मिले। इस पर डीसी का पारा चढ़ गया। कुछ देर बाद जब पब्लिक हेल्थ के एक्सईएन मौके पर आए तो डीसी ने पूछा कहां थे। इस पर जेई बलविंद्र सिंह ने बताया कि समाधान शिविर में थे। इस पर डीसी भडक़ते हुए बोले कि, हम यहां खड़े हैं और आप अब आ रहे हैं। तीन दिन पहले मैंने मैसेज भिजवा रखा है। दिशा की मीटिंग में यह मुद्दा उठ चुका, सीएम साहब इसकी रिपोर्ट मांग रहे हैं। यहां पूरा प्रशासन खड़ा है। आप बकवास कर रहे हैं। इसके बाद डीसी ने एक्सइन से पूछा, क्या आपको सूचना थी। एक्सइन के जवाब से डीसी संतुष्ट नहीं हुए और कहा, आप चिल्ली झील पर हुए काम बारे बताएं।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव पर निकाला नगर कीर्तन

रतिया। नगर कीर्तन की अगुवाई करते पंच प्यारे। फोटो :हरिभूमि

रतिया। सिखों के प्रथम गुरु एवं पहली पातशाही श्री गुरु नानक देव जी के जन्म उत्सव के उपलक्ष्य में विश्वकर्मा गुरुद्वारा की ओर से एक विशाल नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। नगर कीर्तन का शहरवासियों व हल्के की समूह सिख संगतों द्वारा जगह-जगह स्वागत किया गया। समाजसेवी टीटू गिल ने बताया कि एम्पलाइज कॉलोनी में नगर कीर्तन के पहुंचने पर बड़ी धूमधाम से स्वागत किया गया तथा अटूट लंगर का भी आयोजन किया गया। इस दौरान पांच सिंह सेहवानों को सरोपा भेंट किए गए और संगत को दूध सेवा प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि नगर कीर्तन के साथ चल रहे गतका अखाड़े द्वारा अद्भुत प्रदर्शन कर संगत को निहाल किया गया। इस अवसर पर लखविंदर सिंह, डॉ. अनूप सिंह, जसवंत सिंह रंधावा, सुरजीत सिंह, निखिल, सुखविंदर सिंह, लवप्रीत सिंह, मनदीप कौर गिल, अश्विनी बिश्नोई, जोग सिंह, ज्योति, सरबजीत कौर, रूपिंदर कौर, बलविंदर कौर सहित सैकड़ों कॉलोनीवासी मौजूद रहे।

गोरखपुर में व्यक्ति के घर मिला हथियारों का जखीरा हत्या मामले में 20 वर्ष की सजा काट चुका है आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद/भूना

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के निर्देशानुसार ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत रतिया व भूना पुलिस ने एक बार फिर नशे के सौदागरों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए बड़ा अभियान चलाया है। डीएसपी रतिया नर सिंह के नेतृत्व में सोमवार तडक़े पुलिस बल ने रतिया शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में, वहीं थाना भूना क्षेत्र में डॉग स्क्वाड, स्वेट टीम और कमांडो दस्ते के साथ मिलकर सघन तलाशी अभियान चलाया।

चेकिंग अभियान के दौरान स्वान टीम जैक और रैम्बो डॉग स्क्वाड, स्वेट कमांडो दस्ते और भूना थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गांव गोरखपुर स्थित एक घर से भारी मात्रा में अवैध हथियार और गोलियों का जखीरा बरामद किया गया। हालांकि आरोपी मौके से फरार हो गया। जांच के दौरान स्वान जैक और रैम्बो की तेज सूंघ और सतर्कता ने संदिग्ध घर की पहचान कर दी। तुरंत कार्रवाई करते हुए कमांडो दस्ते ने घर की घेराबंदी की और तलाशी ली। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी कुलदीप सिवाच के खिलाफ पहले से हत्या, हत्या प्रयास, छेड़छाड़ और मारपीट जैसे कई संगीन मामले दर्ज हैं। वह वर्ष 1995 में गोरखपुर के सरपंच की हत्या के मामले में 20 साल की सजा भी काट चुका है। इस कार्रवाई से नशा और हथियार तस्करों के नेटवर्क में हडक़ंप मचा हुआ है, जबकि फतेहाबाद पुलिस के प्रति आम जनता का विश्वास और मजबूत हुआ है।

फतेहाबाद। तलाशी अभियान चलाते पुलिस कर्मचारी और भूना में गोरखपुर में घर से बरामद हथियार। फोटो : हरिभूमि

खेलों की राज्य स्तरीय स्पर्धाएं 11 से जिला स्तर पर ट्रायल आज और कल

फतेहाबाद। जिला खेल अधिकारी विष्णु दास ने बताया कि खेल विभाग, हरियाणा द्वारा एथलैटिक्स, बास्केटबॉल, हैंडबॉल, वालीबॉल व तैराकी खेलों की राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं करवाई जाएगी। यह प्रतियोगिताएं 11 से 13 नवंबर तक अंबाला व पंचकूला में करवाई जाएगी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाली जिला स्तरीय खिलाडियों के चयन हेतु 4 व 5 नवंबर को जिला फतेहाबाद में जिला स्तरीय ट्रायल निर्धारित स्थलों पर सुबह 9 बजे आयोजित होंगे। चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि 11 से 13 नवंबर तक हैंडबॉल, वालीबॉल व तैराकी की राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता अंबाला व एथलैटिक्स व बास्केटबॉल की खेल प्रतियोगिताएं पंचकूला में आयोजित होगी। जिला स्तर पर बास्केटबॉल टीम के ट्रायल हेतु 4 नवंबर को एमएम कॉलेज फतेहाबाद, एथलैटिक्स टीम के चयन हेतु 5 नवंबर को ब्लॉक स्तरीय शहीद भगत सिंह स्टेडियम गांव दमकौरा (टोहाना), हैंडबॉल के लिए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नहला व वालीबॉल के लिए राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पीलीमंढोरी, बैडमिंटन के लिए गुरूकुल वेद मंदिर मताना व तैराकी के लिए भोडिया खेड़ा खेल स्टेडियम के खेल मैदान में जिला स्तर पर ट्रायल करवाए जाने हैं।

वारदात में शामिल दो बाइक बरामद

धान चोर गिरोह के पांच सदस्य काबू, चोरीशुदा फसल बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस ने कालांवाली अनाज मंडी क्षेत्र से धान का पर्दाफाश करते हुए चोर गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर चोरीशुदा धान बरामद कर लिया है। कालांवाली थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान बीरा सिंह, सज्जन सिंह, गुरजंट सिंह, खुशप्रीत सिंह व हरदीप सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल भी बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदीप सिंह की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता प्रदीप सिंह ने बताया कि अज्ञात लोग धान के स्टॉक से दो मोटरसाइकिलों पर धान चोरी कर ले जा रहे हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से आरोपियों को चोरीशुदा धान सहित गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा और गहनता से पूछताछ कर चोरी में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी।

सिरसा। पकड़े गए धान चोर गिरोह के सदस्य।

तीन लाख रुपये की हेरोइन सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने गांव नरेलखेड़ा क्षेत्र से मोटरसाइकिल सवार एक युवक को करीब 3 लाख रुपये 29 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी सब इंस्पेक्टर प्रेम कुमार ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान किरण दीप उर्फ किन्नू पुत्र अवतार सिंह निवासी नरेलखेड़ा जिला सिरसा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सीआईए सिरसा की पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव नरेल खेड़ा पर मौजूद थी। इस दौरान रंगाई नाला नरेल खेड़ा के पास एक नौजवान लडक़ा मोटरसाइकिल लेकर आता दिखाई दिया। बाइक सवार युवक ने सामने पुलिस कि गाड़ी को देखकर वापस मुडक़र भागने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर युवक को काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जे से 29 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक के खिलाफ थाना डिंग में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शरु की गई। इसके अलावा पुलिस ने ऐलनाबाद शहर क्षेत्र से दो युवकों को 15 ग्राम 46 मिली ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए प्रभारी ऐलनाबाद धर्मबीर सिंह ने बताया कि सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम के उप निरीक्षक नरेश कुमार ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी लवली को टिब्बी अड्डा ऐलनाबाद से हजारों रुपए की 8 ग्राम 23 मिलीग्राम हेरोइन सहित काबू किया है।

कार्रवाई सोशल मीडिया गैंगस्टर, नशा तस्कर और शराब माफिया पर चला फतेहाबाद पुलिस का बुलडोजर

अक्टूबर में पकड़े 174 अपराधी, लाखों का नशा बरामद

- गुप्त सूचना नेटवर्क से अपराधियों पर शिकंजा कसना जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के नेतृत्व में अक्टूबर माह जिले के जिला पुलिस ने 174 अपराधियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा है। इन गिरफ्तारियों में नशा तस्कर, साइबर ठग, अवैध हथियारधारी, शराब माफिया, स्नैचर और वर्षों से फरार उद्घोषित अपराधी शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अक्टूबर माह में जिला पुलिस ने ड्रग माफिया पर प्रहार करते हुए एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज 27 मामलों में 35 तस्करों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में नशा बरामद किया है। पुलिस ने इनके पास से 193.852 ग्राम हेरोइन, 50.204 किलो चूरा पोस्त, 652 ग्राम गांजा तथा 806 नशीली गोलियां और कैप्सूल बरामद की है। इनमें से 5 मामले कमर्शियल मात्रा के पाए गए, जिन पर कड़ी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई। ऑनलाइन अपराध और गैंगस्टर संस्कृति पर सख्ती दिखाते हुए, पुलिस ने आईटी एक्ट की धारा 79(3)(बी) के तहत व्यापक अभियान चलाया है। पुलिस ने 30 भ्रामक और भड़काऊ सोशल मीडिया अकाउंट बंद कराए गए वहीं 230 फॉलोअर्स को नोटिस जारी कर अनफॉलो करने के निर्देश दिए गए है। अवैध हथियारधारी और सोशल मीडिया गैंगस्टरों पर कार्रवाई करते हुए 2 मामलों में 2 आरोपी दबोचे गए। पुलिस ने इनके पास से 2 पिस्तौल और 7 जिंदा कारतूस किए वहीं सोशल मीडिया पर हथियार लहराने वाले 4 अन्य गैंगस्टर भी गिरफ्तार किए गए है। अवैध शराब निर्माण और तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 5 मामलों में 5 आरोपी गिरफ्तार कर उनके पास से 120 बोतल देशी शराब, 30 बोतल हथकढ़ शराब, 500 लीटर लाहन तथा एक स्थान पर चलती भट्ठी को भी रंगे हाथ पकड़ा गया।

फतेहाबाद। एसपी सिद्धांत जैन।

चोरी-स्नैचिंग मामलों 29.32 लाख बरामद

चोरी और स्नैचिंग मामलों में ताबड़तोड़ एक्शन लेते हुए पुलिस ने 29.32 लाख की बरामदगी की है। पुलिस ने 40 मामलों में 75 आरोपी गिरफ्तार किए है। 18 मामलों का खुलासा 24 घंटे में किया गया। साइबर ठगों पर भी शिकंजा कसते हुए पुलिस ने अक्टूबर माह में 16 मामलों में 17 आरोपी गिरफ्तार किए। पुलिस ने इनके पास से 10,71,340 नकद और 2 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि फतेहाबाद को अपराध और नशे से मुक्त करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस की सभी यूनिट सक्रिय हैं निरंतर गश्त, तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचना नेटवर्क के माध्यम से अपराधियों पर शिकंजा कसना जारी है।

गांव मिट्ठी सुरेरां ने निकाली जागरुकता रैली

बच्चों ने पराली प्रबंधन को लेकर किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की टीमों द्वारा प्रतिदिन ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को पराली न जलाने व प्रबंधन के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को फरवाई, मल्लेकां, जीवननगर, भुर्टवाला, चिलकनी ढाब,आदि विभाग की टीमों ने ग्रामीणों को पराली न जलाने व फसल अवशेष प्रबंधन करने के लिए जागरूक किया। गांव मिठ्ठी सुरेरां में स्कूली बच्चों ने गांव में जागरूकता रैली निकाल कर ग्रामीणों को जागरूक किया।

प्रबंधन के बताए तरीके

स्कूली बच्चों व टीमों ने जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को बताया गया कि पराली जलाने की बजाय पशुचारे के रूप में भी प्रयोग कर सकते हैं। इसके अलावा खेतों में पराली मिलाने से जमीन की उर्वरा शक्ति भी बढ़ती है। इसके अलावा पराली की गांठे बनाकर अतिरिक्त आमदनी भी प्राप्त की जा सकती है। टीम ने बताया कि पराली में आग लगाने से अनेक ऐसे जीव है जो खेत से बाहर नहीं निकल पाते और आग की चपेट में आकर नष्ट हो जाते हैं। इसके अलावा आग लगाने से पेड़ पौधों को भी नुकसान पहुंचता है।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com
10
रोहतक, मंगलवार
4 नवंबर 2025
हरिभूमि
सहेली

अपनी कामयाबी को ऐसे रखिए कायम

कामयाब होना तो कठिन है ही, अपनी कामयाबी को संभाले रखना, इसे नई ऊंचाई देना और भी कठिन काम है। कामयाबी पर हम कैसे टिके रहें, नए-नए सोपान तय करें, इसके लिए प्रोफेशनल फ्रंट पर हम किन विशेष बातों को ध्यान में रखें, इसके लिए अपनी सोच कैसी रखें, आपके लिए बहुत जरूरी सलाह।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

कामयाबी ऐसे ही किसी को आसानी से नहीं मिल जाती। इसे पाने की यात्रा का संघर्ष बहुत मुश्किल होता है। इससे कहीं ज्यादा कठिन होता है, हासिल की गई कामयाबी को बनाए रखना, मेहनत के साथ मिली कामयाबी पर टिके रहना, प्रोफेशनल फ्रंट पर खुद को निरंतर संवारते रहना, साथ ही व्यक्तिगत फ्रंट पर सहज बने रहना। असल में सफलता को पाना और सफल होने पर इसे संभालना, दोनों ही बहुत मुश्किल काम हैं। अपनी कामयाबी को अहंकार और असहयोगी रवैये के कारण खो देने वाले लोगों के उदाहरण हर फील्ड में मिल जाएंगे। बहुत से चर्चित और सफल लोग, लंबे संघर्ष के बाद पाई कामयाबी को छोटी-छोटी गलतियों के चलते गंवा देते हैं। उनसे सबक लेना और समय रहते संभलना भी एक स्किल ही है। ऊंचाइयों पर पहुंचने के बाद भी सजगता और सहजता से जीवन जीते हुए किन बातों का ध्यान रखकर अपनी कामयाबी को कायम रखें, जानिए-

ग्रेटिट्यूड का भाव

ग्रेटिट्यूड यानी कृतज्ञता का भाव सफलता को और सार्थक, और टिकाऊ बनाता है। इसीलिए अपनी कामयाबी का उत्सव मनाते हुए इस यात्रा में सहयोगी रहे लोगों को कभी न भूलें। जब भी, जैसे रूप में भी संभव हो, उन लोगों को जैसे माता-पिता, मित्र, शिक्षक या सहकर्मी को धन्यवाद कहें। इनके प्रति आभार जताना कभी न भूलें। आमतौर पर सफलता पाने के बाद लोग आत्मकेंद्रित हो जाते हैं, जबकि जीवन को तो सांप-सीढ़ी के खेल जैसा माना जाता है, कभी ऊंचाइयों का दौर, तो कभी नाकामयाबी का समय। परिस्थितियां बदलती रहती हैं। ऐसे में अपने अच्छे वक्त में भी दूसरों के साथ अच्छे बने रहें, सकारात्मक बर्ताव करें। कम से कम, किसी को कमतर समझने की गलती तो बिल्कुल भी न करें।

सहयोगी सोच है जरूरी

सफलता पाने के बाद भी अच्छे आचरण की अहमियत खत्म नहीं हो जाती। सच तो यह है कि अपनी सफलता को बनाए रखने के लिए अपने व्यवहार में सकारात्मकता और सहयोगी भाव और जरूरी हो जाते हैं। इसीलिए अपने आत्मविश्वास को अति-आत्मविश्वास में कभी न बदलने दें। दूसरों की भावनाओं का सम्मान करने का ट्रेंड हमेशा रहा है और रहेगा। सफल होने का मतलब अपनी कमजोरियों को भूल जाना नहीं होता, न ही दूसरों की काबिलियत की अनदेखी करने से आपकी कामयाबी कुछ विशेष हो जाती है। कोशिश कीजिए, आप संघर्ष कर रहे किसी अपने-पराए के मददगार बनें। आगे बढ़ने, बेहतर बनने में किसी का मार्गदर्शन करें। ऐसा करने से आप खुद भी कुछ नया सीखेंगे। कभी-कभी साझा लक्ष्य पर काम करने की यह रणनीति आपको और नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। किसी को दिया जा रहा सहयोग, आपके किसी समाधान का मार्ग भी निकाल सकता है। देखा जाए तो प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते हुए अपने ही परिवेश को कुछ लौटाने जैसा है। इसीलिए कहा जाता है, सहयोग से पूरे समाज की उन्नति होती है। सहयोगी व्यवहार से न केवल जुड़ाव और अपनापन बढ़ता है, बल्कि प्रोफेशनल संसार के संबंधों को मजबूती भी मिलती है।

आत्म-जागरूकता और सहजता जरूरी

किसी क्षेत्र विशेष में सफल होने का अर्थ यह नहीं कि आप अपने आप में पूर्ण या संपूर्ण हो गई हैं। साथ ही यह भी नहीं सोचना चाहिए कि अब सारी परीक्षाएं खत्म हो गई हैं। जिंदगी

समय-समय पर इम्तिहान लेती रहती है। किसी न किसी रूप में उलझनें सामने आती रहती हैं। इस पड़ाव पर आत्म-जागरूकता और सहजता आवश्यक है। अहंकार से दूरी रखना जरूरी है। मनोवैज्ञानिक विश्लेषणों में भी सामने आया है कि अहंकार सफलता का एक स्वाभाविक परिणाम नहीं है। कामयाबी के गुरूर से इंसान का बदलता व्यवहार ही ईगो की ओर धकेलता है। वहीं, सफलता के दौर में सहज और विनम्र रहने वाले इंसान का मन सदा ग्रेटिट्यूड के भाव से भरा रहता है।

बुरी आदतों से बचें

कामयाबी के दौर में बुरी आदतों के घेरे में आकर खुद को खो देने वाले लोगों के बहुत से उदाहरण मिलते हैं। इसीलिए सफलता को कोई सनक न बनाएं। खुद को खास दिखाने के लिए अजब-गजब आदतों के जाल में न फंसें, प्रोक्रास्टिनेशन यानी अपने काम को टालते रहना हो या दिनचर्या बिगाड़ लेना, किसी तरह की लत का शिकार होना हो या अपने आपको दिखावे की लाइफस्टाइल में उलझा लेना, ऐसी हर बात से बचिए, जो आपको दिशाहीन करती है। याद रखिए कि

अपनी सफलता को जीना अलग बात है और उसका सिर चढ़ जाना अलग। इस अंतर को समझते हुए खुद को संवारते रहना ही कामयाबी को टिकाऊ बनाता है। संघर्ष का समय बीतने के बाद भी सफलता पाने वाले लोग अनुशासित जीवन जीते हैं और आत्म-निरीक्षण को प्राथमिकता देते हैं। a

घर की तमाम जिम्मेदारियों को निभाते हुए हाउस वाइव्स का खुद के लिए यानी मी टाइम निकालना जरूरी है। इससे वे अपने को रिचार्ज महसूस करेंगी, उन्हें कभी स्ट्रेस नहीं होगा। लेकिन मी टाइम के लिए वर्क मैनेजमेंट का हुनर जरूरी है।

बिजी लाइफ में भी खुद के लिए निकालें मी टाइम

एडवाइस
शीला श्रीवास्तव

हाउस वाइव्स की अकसर यह शिकायत रहती है कि वे खुद के लिए समय ही नहीं निकाल पातीं। वाकई रुटीन मैनेजमेंट उनके लिए एक चैलेंज की तरह होता है। उन्हें बच्चों के स्कूल, ट्यूशन, ऑनलाइन क्लासेस, हसबैंड के ऑफिस और घर के बड़े-बुजुर्गों की देखभाल के बीच अपने लिए समय नहीं मिल पाता। अपने लिए समय निकालना कितना जरूरी है, इस पर वे कुछ सोचती नहीं हैं। लेकिन अपने लिए समय ना निकालने की वजह से हाउस वाइव्स स्ट्रेस में आ जाती हैं। नतीजतन उन्हें छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आता है, जो आगे चलकर शारीरिक और मानसिक रोगों का कारण बनता है। सवाल यह है कि हाउस वाइव्स खुद के लिए मी टाइम कैसे निकालें-

जरूरी है मी टाइमः तमाम जिम्मेदारियों के बीच खुद के लिए समय निकालना 'मी टाइम' है। स्ट्रेस फ्री रहने के लिए यह बहुत जरूरी है। मी टाइम ब्रेन को रिचार्ज करता है। भले ही मी टाइम एक घंटे का हो, लेकिन होना जरूर चाहिए। इस समय आप बस अपने लिए जिएं, खुद को खुशी देने वाले काम करें। एक बार मी टाइम पर फोकस करके देखिए, आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगी। इतना ही नहीं, आप जीवन के अलग-अलग पहलुओं पर गहराई से सोच सकेंगी। खुद को बेहतर समझ पाएंगी और अपनी कमजोरियों और खूबियों पर मंथन कर सकेंगी। साथ ही आप अपने रिश्ते को और बेहतर बनाने पर विचार कर पाएंगी।

पा सकती हैं खोई हुई एनर्जीः मी टाइम से आप अपनी खोई हुई एनर्जी वापस पा सकतीं हैं। मी टाइम निकालने के लिए सबसे जरूरी है कि पहले वर्क मैनेजमेंट करें, क्योंकि आप अपने घर के कार्यों को व्यवस्थित कर पाएंगी तो आपके लिए मी टाइम निकालना आसान हो जाएगा। वर्क मैनेजमेंट सही करने के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना होगा।

खुद को दें प्रॉयोरिटीः आपके परिवार में किसी को भी कोई जरूरत हो तो वह आपके पास आते हैं। ऐसे में गृहिणियों के लिए तनाव रहित रहना बेहद जरूरी है, क्योंकि अगर आपका स्वभाव चिड़चिड़ा होगा तो आप चाहकर भी किसी की पूरे मन से मदद नहीं कर पाएंगी। इसलिए खुद को प्रॉयोरिटी दें। अपनी पसंद की चीजों पर ध्यान दें। खुद के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं। खुद के पसंद की म्यूजिक सुनें, डांस करें या फिर खुद के पसंद के अन्य काम करें।

अपना टाइम टेबल बनाएं

मी टाइम निकालने के लिए सबसे पहले आप अपने घर के कार्यों का समय तय करें। इसके लिए जरूरी है कि आप टाइम टेबल बनाएं और हर काम का समय तय करें। टाइम टेबल के हिसाब से किया गया काम हमेशा समय से होता है, इससे आप आसानी से समय निकाल कर अपनी रुचि के काम कर सकती हैं।

लाइफस्टाइल में बदलावः सुबह उठने की आदत डालनी होगी। अगर आप देरी से उठेंगी तो घर का काम भी देरी से शुरू होगा और आपका सारा दिन झुंझलाहट में बीतेगा। खुद के लिए वक्त निकालना मुश्किल होगा।

सोशल मीडिया पर ज्यादा बिजी न रहेंः अकसर देखा गया है कि महिलाएं सुबह से ही सोशल मीडिया पर कमेंट और लाइक्स देखने और उसका जबाब देने में बिजी हो जाती हैं, जिससे उन्हें समय का पता ही नहीं चलता। सोशल मीडिया पर एक्टिव होने के लिए आप एक समय तय करें, ताकि आप काम के स्ट्रेस से भी दूर रहें और मी टाइम निकाल सकें।

घर के लोगों से लें मददः महिलाओं की यह आदत होती है कि हर काम अकेले ही करना चाहती हैं, जो ठीक नहीं है। घर के अन्य सदस्यों से थोड़ी-थोड़ी मदद लें। बच्चों से आप उनका कमरा ठीक करने, अलमारी और किताबें ठीक करने के लिए कहें। इससे वे खुद भी व्यवस्थित व अनुशासित बनेंगे। इससे आप अकेली पर काम का सारा बोझ नहीं पड़ेगा। a

स्पेशल : इंफेंट प्रोटेक्शन-डे, 7 नवंबर

शिशु देखभाल की समझ बढ़ाने, बाल मृत्यु दर में कमी लाने और नवजात बच्चों की देखभाल से जुड़ी सर्विसेज के बारे में अवेयरनेस बढ़ाने के लिए हर साल 7 नवंबर को इंफेंट प्रोटेक्शन-डे मनाया जाता है। न्यू बॉर्न बेबी की देख-भाल के लिए किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए, जानिए।

न्यू बॉर्न बेबी सजगता से हो देख-भाल

लालन-पालन
चैतन्या

बच्चे के जन्म के बाद कुछ दिनों तक न केवल न्यू बॉर्न बेबी की विशेष देखभाल की जरूरत होती है बल्कि बहुत सी छोटी-छोटी बातों को लेकर सजगता बरतना भी जरूरी है। हमारे यहां नवजात यानी न्यू बॉर्न बेबीज की सुरक्षा के मामले में आज भी अवेयरनेस की कमी देखी जाती है। असल में नवजात बच्चों की मेडिकल केयर के साथ ही, अपनों की स्नेह भरी देख-भाल, स्वच्छता, स्तनपान और वैक्सीनेशन जैसी बातों को लेकर जागरुकता होनी जरूरी है।

किसे कहते हैं न्यू बॉर्न बेबीः आम बोलचाल की भाषा में कुछ घंटों, दिनों या एक महीने तक के बच्चे को न्यू बॉर्न बेबी यानी नवजात शिशु कहते हैं। वैसे जन्म से लेकर एक साल की उम्र नवजात अवस्था के तौर पर बच्चे की देखभाल के लिए अहम होती है। घर के बड़ों के लिए बच्चे के दुनिया में दस्तक देने के बाद का यह समय बहुत सजग रहने का होता है। इंफेंट केयर में जरा सी चूक शिशुओं को आगे के लिए भी कई परेशानियों का शिकार बना सकती है। खासकर पैरेंट्स को न्यू बॉर्न बेबी की सुरक्षा और विकास के बारे में अवेयर रहना चाहिए। ब्रेस्ट फीडिंग से लेकर वैक्सीनेशन और किसी तरह की जन्मजात तकलीफ का इलाज करवाने तक, ये शुरुआती दिन बेहद अहम होते हैं। इतना ही नहीं मौसमी बीमारियों और दूसरे

इंफेक्शन से बचाने के लिए साफ-सफाई का भी ध्यान रखना होता है। असल में ऐसी छोटी-छोटी गलतियों के चलते हमारे देश में आज भी इंफेंट मोरटैलिटी के आंकड़े चिंता का विषय बने हुए हैं। ऐसे में इंफेंट प्रोटेक्शन-डे हर मामले में शिशुओं की बेहतर ढंग से केयर करने से जुड़ी सतर्कता लाने का संदेश देने वाला दिन है।

स्तनपान और स्वच्छताः मां के दूध को तो नवजात का पहला टीका कहा जाता है। शिशु के स्वास्थ्य के लिए अमृत माना जाता है। ऐसे में जन्म के बाद बच्चे को ब्रेस्ट फीडिंग करवाना बहुत जरूरी है। इसके लिए माताओं में भी सजगता होना जरूरी है। साथ ही ब्रेस्ट फीडिंग शुरू करने में देरी हो जाए तो नवजात शिशु भी मां का दूध पीने में सहज नहीं रहता। डॉक्टर की सलाह के मुताबिक सही समय पर बच्चे को मां का दूध पिलाना शुरू कर दिया जाए तो यह न्यू बॉर्न बेबी की सेहत के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है।

संक्रमित होने से बचाएंः इंफेंट प्रोटेक्शन-डे, लोगों को साफ-सफाई रखने के लिए भी चेताता है। जन्म के बाद के शुरुआती दिनों में नवजात बच्चों को कई तरह के इंफेक्शन हो सकते हैं। इनकी एक बड़ी वजह स्वच्छता न रखना भी है। हमारे यहां बड़ी संख्या में नवजात शिशुओं का जीवन डिलिवरी के दौरान या जन्म के बाद पहले चौबीस घंटों के भीतर छिन जाता है। इंफेंट मोरटैलिटी के कई कारण हैं। इन जानलेवा वजहों में जन्म के बाद संक्रमित होना भी शामिल है।

वैक्सीनेशन और पोषणः बच्चे के जन्म के बाद टीके लगवाने में तो कोई देरी नहीं होनी चाहिए। शिशु को नियमित डॉक्टर को दिखाने, उसके

वजन का ध्यान रखने और चिकित्सक की सलाह के मुताबिक समय-समय पर लगने वाले वैक्सीन लगवाने की प्रक्रिया फॉलो करना जरूरी है। साथ ही सही पोषण का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है। हमें अपने नवजात बच्चे की सुरक्षा को लेकर ज्यादा जागरूक रहने की जरूरत होती है। a

फॉलो करें प्रॉपर मेकअप स्टेप्स मिलेगा इंप्रेसिव-परफेक्ट लुक

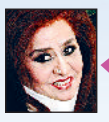

मेकअप
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

अगर आप प्रोफेशनल हैं तो मेकअप सही ढंग से अप्लाई करना जरूरी होता है। लेकिन मेकअप शुरू करने से पहले आपको इसके बेसिक्स की जानकारी होनी चाहिए ताकि आप अट्रैक्टिव, इंप्रेसिव दिखें।

क्लींजरः मेकअप करने से पहले क्लींजर की मदद से चेहरे को साफ कर लें। आप कॉटन में टोनर लगाकर भी चेहरे को अच्छी तरह साफ कर सकती हैं। इसके बाद ही फेस स्क्रब का यूज करें क्योंकि इससे आपकी स्किन सुंदर और आप अट्रैक्टिव दिखेंगी।

मॉयश्चराइजरः स्किन को क्लीन करने के बाद मॉयश्चराइज करें। इसके बाद आप प्राइमर लगाएं ताकि मेकअप देर तक टिका रहे।

आंखों को करें हाइड्रेटेडः आंखों के आस-पास की स्किन को हाइड्रेटेड रखने के लिए आई सीरम का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। सामान्यतः हाईड्रेटिंग मॉयश्चराइजर का उपयोग कीजिए और अगर आपकी स्किन ऑयली है तो तेल की अधिक मात्रा को नियंत्रित करने के लिए मैटीफाइंग मॉयश्चराइजर का उपयोग कीजिए। अगर आपकी त्वचा पर दाग, धब्बे, मुंहासे हैं या आंखों के नीचे डार्क सर्कल हैं तो इन्हें कवर करने के लिए कंसीलर कलर करेक्टर का उपयोग करें ताकि त्वचा का रंग नेचुरल दिखे।

लिप्स के लिएः अगर आपकी लिपस्टिक

कुछ ही समय बाद होंठों से गायब हो जाती है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। इसके लिए कॉम्पैक्ट पावडर का इस्तेमाल करें, जो लिपस्टिक को लंबे समय तक टिकाए रखेगा। लिपस्टिक लगाने के बाद उस पर टिश्यू पेपर लगाएं। अब, अपने होंठों पर टिश्यू पेपर के ऊपर कुछ लूज कॉम्पैक्ट पावडर या एक लूज सेटिंग पावडर लगाएं। ऐसा करने से आपकी लिपस्टिक पहले की तरह सेट हो जाएगी।

रिमूव एक्सट्रा ऑयलः अगर आपकी स्किन पर एक्सट्रा ऑयल दिखता है तो ब्लॉटिंग पेपर का यूज कर सकती हैं। इसके यूज से स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल को हटाया या कम किया जा सकता है।

फाउंडेशनः अपनी स्किन टोन के हिसाब से फाउंडेशन का यूज करें। फाउंडेशन को अपनी गर्दन पर लगाना न भूलें।

ब्लश का यूजः ब्लश का यूज अपनी जरूरत के अनुसार करें क्योंकि इसका ज्यादा उपयोग अननेचुरल दिखेगा। इसे अपने गालों को उभारने के लिए ही उपयोग कीजिए। ज्यादातर स्किन पर हल्का पिंक ब्लश सूट करता है।

लिपस्टिक-लिप ग्लॉसः अगर आपको यह महसूस हो कि मैटीफाइंग लिपस्टिक से आपके लिप्स ड्राइ हो रहे हैं तो किसी लिप बाम के बाद लिपस्टिक अप्लाई करें।

सेटिंग स्प्रेः अपने मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए सेटिंग स्प्रे का यूज कीजिए। लेकिन आंखों को बंद रखें और होंठों को भी कवर रखें।a

मेडिकल सजेशन
डॉ. भारती कालरा
सीनियर गायनेकोलॉजिस्ट
करनाल-हरियाणा

अपने जरूरी पर्सनल वर्क के लिए कई महिलाएं पीरियड्स को डिले करने के लिए मेडिसिन ले लेती हैं। लेकिन ऐसा करने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है। लापरवाही हार्मफुल हो सकती है।

डॉक्टर से कंसल्टेशन पर ही लें पीरियड्स-डिले मेडिसिन

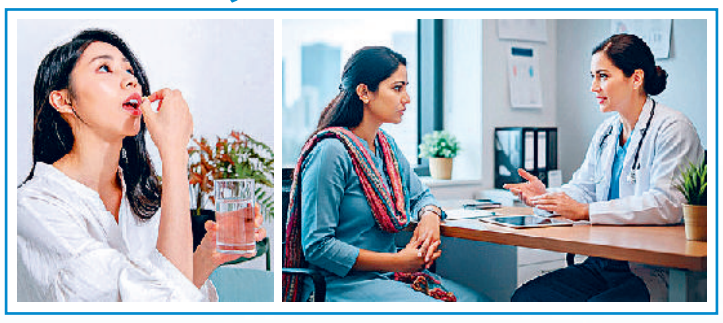

पीरियड्स एक नेचुरल फिजिकल साइकिल है, जिससे टीनएज से 45-50 वर्ष की उम्र के बीच की हर महिला गुजरती है। लेकिन कई बार मैरिज, स्पेशल फंक्शन, सैर-सपाटे, स्टडी जैसे किसी विशेष अवसर पर कुछ महिलाएं पीरियड्स रोकने के लिए मेडिकल स्टोर में आसानी से उपलब्ध पीरियड्स डिले करने वाली हार्मोनल पिल्स ले लेती हैं। इन दवाओं के गलत डोज या साइड इफेक्ट्स की वजह से कई शारीरिक समस्याओं के साथ जीवन पर भी संकट मंडरा सकता है।

कैसे काम करती हैं ये दवाएंः मेडिकली देखें तो महिला के शरीर में प्रत्येक पीरियड साइकिल के दौरान प्रोजेस्ट्रॉन हार्मोन का लेवल प्राकृतिक रूप से कम हो जाता है, जिसकी वजह से यूट्रस की लाइनिंग गिरने लगती हैं और पीरियड्स शुरू हो जाते हैं। पीरियड्स-डिले पिल्स, मुख्य तौर पर दो तरह की हार्मोनल दवाइयां होती हैं, जिनमें या तो सिर्फ सिंथेटिक प्रोजेस्ट्रॉन होता है या फिर एस्ट्रोजन-प्रोजेस्ट्रॉन का मिश्रण होता है। इनके सेवन से महिला के शरीर में प्रोजेस्ट्रॉन लेवल कम नहीं हो पाता और पीरियड्स रुक जाते हैं यानी, ये दवाएं अस्थाई रूप से पीरियड साइकिल को रोककर पीरियड्स को आगे बढ़ाने का काम करती हैं। साथ ही महिलाओं के रिप्रोडक्टिव सिस्टम को रेगुलेट करने में मदद करती हैं।

क्या होते हैं साइड इफेक्ट्सः हालांकि ये दवाइयां सुरक्षित होती हैं, लेकिन संभावित साइड इफेक्ट से बचने के लिए इन्हें स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श पर सही तरीके और सही डोज में ही लेनी चाहिए। इन्हें लेने पर कुछ सामान्य साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं, सिर-दर्द होना, ब्रेस्ट में दर्द होना, पेट फूला-सा लगना, वजन बढ़ना, मितली-उल्टी की फीलिंग होना, पैर में दर्द, ब्लड प्रेशर बढ़ना आदि। कुछ मामलों में शरीर में हार्मोन और रक्त में मौजूद रसायनों का संतुलन गड़बड़ा जाता है। धमनियों में ब्लड क्लॉटिंग या डीप वेन थ्रोम्बोसिस होने का खतरा रहता है। हार्मोनल दवाइयों के हाई डोज से ब्लड प्रेशर और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे हार्ट रेट गड़बड़ा सकता है।

इन्हें होता है अधिक रिस्कः पीरियड्स-डिले करने वाली दवाओं का सेवन करने में ऐसी महिलाओं को पूरी एहतियात बरतनी चाहिए, जो पीसीओएस, माइग्रेन, स्ट्रोक, ब्लड प्रेशर, लिवर, हार्ट डिजीज, डायबिटीज आदि से जूझ रही हों। a

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

इन बातों का रखें ध्यान

- हार्मोन पिल्स का सेवन बिना डॉक्टर के परामर्श के न करें।
- जब तक बहुत जरूरी न हो, इन गोलियों का इस्तेमाल न करें।
- एक सप्ताह पहले ही आजमा लें ताकि यदि कोई साइड इफेक्ट हो तो उससे निपटने के लिए समय मिल सके।
- मेडिकल हिस्ट्री और ब्लड टेस्ट जरूर करवाएं। पहले से मौजूद बीमारियों जैसे लिवर, ब्लड प्रेशर, डीवीटी, हार्मोनल असंतुलन में इन्हें बिल्कुल न लें।
- कभी-कभार और डॉक्टर की निगरानी में इनका सेवन सुरक्षित है। लेकिन बार-बार इस्तेमाल शरीर के हार्मोनल संतुलन को बिगाड़ सकता है।

फतेहाबाद। महिला कॉलेज भोडिया खेड़ा में जिला स्तरीय युवा महोत्यव का शुभारंभ करते उपायुक्त डॉ. विवेक भारती और राजकीय महिला कॉलेज भोडिया खेड़ा में जिला स्तरीय युवा महोत्यव में प्रस्तुति देते युवा।

महिला कॉलेज भोडिया खेड़ा में जिला स्तरीय कार्यक्रम का उपायुक्त ने किया शुभारंभ

जिला स्तरीय युवा महोत्सव में युवाओं की प्रतिभा, ऊर्जा और संकल्प का संगम

युवा महोत्वस व्यक्ति के भीतर छिपी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करता : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग, हरियाणा द्वारा आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा महोत्सव का शुभारंभ सोमवार को राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडिया खेड़ा के सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा महोत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह हमारे युवाओं की प्रतिभा, ऊर्जा और संकल्प का उत्सव है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के भीतर असीम प्रतिभा होती है, और यह मंच उसे पहचानने, निखारने तथा आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है। जिला युवा समन्वयक अधिकारी रमेश कुमार ने बताया कि दो दिवसीय इस महोत्सव में जिले के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया है। महोत्सव के पहले दिन विज्ञान मेला, लोक नृत्य, लोक गीत, कहानी लेखन, कविता लेखन, पोस्टर मेकिंग, भाषण प्रतियोगिता, लोक संगीत वाद्य प्रतियोगिता सहित कुल 10 प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मंगलवार को भी युवा महोत्सव के तहत अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिला स्तरीय महोत्सव में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा तथा उन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होगा।

मनमोहक प्रस्तुतियां दी

महोत्सव के प्रथम दिन प्रतिभागियों ने हरियाणवी पारंपरिक वेशभूषा में मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। लोक संगीत वाद्य प्रतियोगिता में एमएम कॉलेज फतेहाबाद की टीम ने आकर्षक प्रस्तुति दी, वहीं लोक नृत्य प्रतियोगिता में पीएम श्री राजकीय गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने हरियाणवी संस्कृति पर सुंदर प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब प्रशंसा बटोरी। कार्यक्रम में पहुंचने पर जिला युवा समन्वयक अधिकारी एवं कॉलेज के प्राचार्य रमेश कुमार ने मुख्य अतिथि उपायुक्त डॉ. विवेक भारती का स्वागत स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उप निदेशक अमित पंवार, राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडिया खेड़ा की प्राचार्य लखबीर कौर सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य, प्रभारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने प्रतिभा का किया शानदार प्रदर्शन

- विभिन्न शिक्षण संस्थाओं से 200 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

सिरसा। युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग व जिला प्रशासन के तत्वावधन में सोमवार को स्थानीय चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आगाज हुआ। युवा महोत्सव के प्रथम दिन विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालय व आईटीआई के करीब 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेते हुए भाषण, चित्रकला, कविता लेखन, कहानी लेखन व विज्ञान मेले के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई। अतिरिक्त उपायुक्त वीरेंद्र सहरावत, कुलपति प्रो. विजय कुमार, व कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार ने महोत्सव का शुभारंभ करते हुए विद्यार्थियों का हौसला बढाया और उन्हें सदा मेहनत के बलबूते सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान सीडीएलयू के कुलपति विजय कुमार ने कहा कि यह मंच युवाओं को उनकी योग्यता प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करता है। जब प्रतिभागी समूह प्रतियोगिता में भाग लेते है वह एक दूसरे से तालमेल करते हुए प्रस्तुति देते हैं जिससे उनमें संयुक्त रूप से सही फैसले लेने की प्रतिभा का विकास होता है। इस मौके पर मंच का संचालन करते हुए बलजीत सिहं सिंधू व रणजीत सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानन्द व सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर हर क्षेत्र में आगे आने बारे प्रेरित किया। आईटीआई प्रिंसिपल राजेंद्र कुमार ने मुख्यअतिथि व अन्य का स्वागत किया। कार्यक्रम में सभी प्रधानाचार्य राकेश कुमार, वेदप्रकाश, उग्रसेन, राजेन्द्र पाल, बुधराम, प्रेम, वर्ग अनुदेशक श्याम सिंह, गुरदयाल, अनिल चहल, अनिल बैनीवाल, मनदीप कौर, प्रितमा, श्वेता, रमनलता, आदि मौजूद रहे।

सिरसा। यूथ महोत्सव में प्रस्तुति देती छात्राएं। *फोटो : हरिभूमि*

बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर चयन

महेंद्रगढ़ की दिवाक्षी अब बॉलीवुड फिल्म में आएगी नजर

आरपीएस महेन्द्रगढ़ की दिवाक्षी का कला एक संघर्ष नामक बॉलीवुड फिल्म में क्लासिकल डांस के लिए हुआ चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

आरपीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल खातोद की 9वीं कक्षा की छात्रा दिवाक्षी का चयन बॉलीवुड मूवी कला एक संघर्ष में क्लासिकल डांस के लिए किया गया है। यह फिल्म नृत्य और संघर्ष पर आधारित है और दिवाक्षी का चयन इस फिल्म के लिए उनकी बेहतरीन परफॉर्मेंस के आधार पर हुआ। दिवाक्षी ने एक नवंबर को दिल्ली में आयोजित आडिशन में भाग लिया था, जहां फिल्म के डायरेक्टर मिस्टर अली रॉय और सपना सिंह ने उनकी नृत्य प्रस्तुति की सराहना करते हुए उन्हें फिल्म में शामिल करने का निर्णय लिया।

महेंद्रगढ़। छात्रा को बधाई देती डॉ. पवित्रा राव। *फोटो : हरिभूमि*

महेंद्रगढ़ निवासी दिवाक्षी की सफलता की कहानी न केवल उनके नृत्य कौशल, बल्कि उनकी निरंतर मेहनत और समर्पण का परिणाम है। दिवाक्षी के पिता दीपक व माता ज्योति ने बताया कि वह बचपन से ही नृत्य में रुचि रखती थीं। ढाई साल की उम्र में ही दिवाक्षी ने स्टेज पर नृत्य प्रस्तुतियां देना शुरू कर दिया था। उन्होंने नेशनल यूनियन क्लासिकल डांसर का खिताब भी जीता है और राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया है।

परिवार का नाम रोशन किया

प्रदर्शन ने न केवल अपने परिवार और विद्यालय का नाम रोशन किया, बल्कि उन्होंने अपने गांव और समाज में भी कला के प्रति जागरूकता और सम्मान बढ़ाया है। फिल्म कला एक संघर्ष में दिवाक्षी के साथ बॉलीवुड के अभिनेता मुस्ताक खान, प्रदीप कावरा, इकरार मल्लिक (यू-ट्यूबर) और डीआईडी के द्वितीय विजेता हरुण राव भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। यह फिल्म नृत्य की कठिनाइयों और संघर्षों को दर्शाते हुए एक प्रेरणादायक कहानी प्रस्तुत करती है। दिवाक्षी का इस फिल्म में अभिनय करना उनके लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उनके कला करियर को एक नई दिशा देगा।

संत शिरोमणि भक्त नामदेव महाराज की मनाई जयंती

सिरसा। संत शिरोमणि भक्त नामदेव महाराज की 755वीं जयंती ओढां कैंचियां स्थित एकता नगर धर्मशाला में धूमधाम से मनाई गई। इस जयंती समारोह के मुख्यातिथि नामदेव सभा के प्रधान मुख्तयार सिंह थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर वार्ड नंबर 22 के नगर पार्षद मुकेश रोहिल्ला सिरसा पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नामदेव सभा के कार्यकारी प्रधान जसवीर सिंह ने की। नगर पार्षद मुकेश रोहिल्ला ने गुरु घर में माथा टेककर आशीर्वाद लिया। शब्द कीर्तन के पाठ हुए। नामदेव सभा के प्रधान मुख्तयार सिंह व समस्त कार्यकारिणी ने नगर पार्षद मुकेश रोहिल्ला को सिरोपा पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर नामदेव सभा के सदस्य जसबीर सिंह, जगतार सिंह, जसपाल सिंह, भोला सिंह, सुखबीर कनेडी, परमजीत उर्फ सोनू, महेंद्र सिंह, मनीष कुमार आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

महिला कालेज में प्रतियोगिताएं आयोजित

सिरसा। राजकीय महिला महाविद्यालय में अंग्रेजी विषय परिषद द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे स्टोरी टेलिंग कंपीटिशन व पीपीटी प्रेजेंटेशन का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर मोनिका गिल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पीपीटी प्रेजेंटेशन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थिया को आईसीटी (इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी)के प्रयोग द्वारा उनके पाठ्यक्रम से संबंधित विभिन्न जानकारियों से अवगत करवाना था। छात्राओं को 10 समूहों में विभाजित किया गया। बीए प्रथम वर्ष की छात्राओं द्वारा उनके पाठ्यक्रम में दिए गए विभिन्न भारतीय व विदेशी कहानीकारों जैसे -भीष्म साहनी, अनीता देसाई, शशी देशपांडे, लियो टॉलस्टॉय तथा ऑस्कर वाइल्ड के द्वारा लिखित कहानियों पर चर्चा की गई।

श्री श्याम जन्मोत्सव कार्यक्रम संपन्न

सिरसा। अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम में श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से दो दिवसीय श्री श्याम जन्मोत्सव के तहत भव्य भव्य जागरण एवं भंडारे का आयोजन किया गया। श्री श्याम बगीची धाम के मुख्य सेवक पवन गर्ग ने बताया कि बाबा के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में बगीची धाम में विशाल भजन संध्या एवं भंडारे का आयोजन किया गया। भजन- हम तो बाबा के भरोसे चलते हैं, बाबा की महिमा गाते रहो, रुक नहीं पाएगा-जब बाबा तुम्हें बुलाएगा, छोडेंगे ना हम तेरा साथ ओ बाबा मरते दम तक सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी। इसके बाद दिल्ली से आई भजन गायिका दिवंकल शर्मा ने बाबा श्याम के श्रीचरणों में अपनी हाजिरी लगाते हुए भजन- श्याम बाबा का जन्मदिन आया, आएगा वो आएगा नीले चढ़ के आएगा, बिन मांगे नाव खे रहा है नसीबों से ज्यादा दे रहा है, भर दे श्याम झोली भर दे, कुछ तो है सरकार तेरी सरकारी में, बाबा श्याम का जादू सर चढ़ के बोलेगा, खाटू वाले श्याम धणी तेरी चर्चा हो रही सै, खाटू वाले मेरा परिवार तेरे हवाले खाटू वाले सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी।

संत बीरेंद्र ने राम नाम की महिमा पर दिया संदेश

- संत मैनेजर साहिब के जन्मदिवस लगाया भंडारा

हरिभूमि न्यूज ⏭कालांवाली

डेरा जगमालवाली के संत मैनेजर साहब के जन्मदिवस के अवसर पर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित आध्यात्मिक सत्संग में संत बीरेंद्र सिंह ने संगत को आध्यात्मिक जीवन का संदेश देते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में पूज्य मैनेजर साहिब के आदर्शों को अपनाना चाहिए। देश के विभिन्न राज्यों से भारी संख्या में श्रद्धालु डेरा पहुँचे और सत्संग का लाभ उठाया। संत बीरेंद्र सिंह नें कहा कि पूज्य मैनेजर साहिब ने हमेशा सच्चाई, भक्ति और सेवा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि इंसान पूरी उम्र धन-दौलत और सांसारिक सुख-सुविधाएं जुटाने में लगा रहता है, परंतु जब समय आता है तो यही धन-दौलत साथ नहीं जाती। उन्होंने कहा कि इस संसार में संत इसलिए आते हैं ताकि हमें सच्चा मार्ग दिखा सकें, और हमें यह समझा सके की असली पूंजी तो राम-नाम की है। यही पूंजी हमें इस लोक में भी सहारा देती है और मालिक की दरगाह में भी साथ जाती है। संत ने कहा कि जो समय बीत गया, वह कभी वापस नहीं आता। उन्होंने संगत को जागरूक करते हुए कहा कि एक बार जो सांस चली गई, वह दोबारा नहीं आती। इसलिए समय रहते अपनी जिंदगी की कद्र करो और हर पल का सदुपयोग करो।

सिरसा। संत मैनेजर साहब के जन्मदिवस पर श्रद्धालुओं को प्रवचन देते संत बीरेंद्र सिंह। *फोटो : हरिभूमि*

सतगुरु को पाने के लिए सिमरन करना जरूरी

बीरेंद्र सिंह कहा कि हम सब भीतर से मैल से भरे हुए हैं हमारे मन में निंदा, द्वेष और नफरत भरी हुई है। अगर हमें अपने अंतर में सतगुरु को बसाना है, तो सिमरन करना पड़ेगा। संत ने कहा कि सतगुरु को पाने का रास्ता सिमरन से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि 24 घंटे में से कम से कम 2 घंटे सतगुरु को याद करने के लिए अवश्य निकालें। उन्होंने कहा कि यह संसार हमारा स्थायी ठिकाना नहीं है। हम सबने इस दुनिया को पक्का घर मान लिया।

डाइट सिरसा में इंग्लिश लैंग्वेज स्किल डेवलपमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

- विद्यार्थियों के कौशल को सुदृढ़ करने में कारगर सिद्ध होगा : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) डिंग, जिला के सभी खंडों में कार्यरत टीजीटी अंग्रेजी हेतु लैंग्वेज स्किल डेवलपमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हो गया है। उद्घाटन समारोह में डाइट आईएफआईसी विंग अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शर्मा ने उपस्थित टीजीटी अंग्रेजी को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों की भाषाई दक्षता, संप्रेषण कौशल और क्रिटिकल थिंकिंग क्षमता को विकसित करते हुए शिक्षकों की स्पीकिंग, रीडिंग, राइटिंग एवं लिसनिंग स्किल्स को सुदृढ़ करने में कारगर सिद्ध होगा। इसके पश्चात एससीईआरटी हरियाणा से प्रशिक्षित एमटी राकेश मोहन, पवन कनोजिया एवं सुरेश कुमार ने इंग्लिश लैंग्वेज स्किल डेवलपमेंट से संबंधित विभिन्न विषयों पर अपने विस्तार व्याख्यान प्रस्तुत किए। इस मौके पर डाइट प्रवक्ता डा. सतबीर न्योल, डा. मनोज पूरी, डा. राजेश खुराना, दलीप गोदारा, सतपाल सिंह, डा. अनिल कुमार एवं संदीप कुमार सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

सिरसा। प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते अध्यापक। *फोटो : हरिभूमि*

बॉक्सर सुखरीत ने नेशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में जीता गोल्ड मेडल

फतेहाबाद। द्रोणाचार्य बॉक्सिंग क्लब फतेहाबाद की युवा बॉक्सर सुखरीत ने अरुणाचल प्रदेश में आयोजित स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। सुखरीत की इस उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। द्रोणाचार्य बॉक्सिंग क्लब फतेहाबाद के कोच प्रदीप कुमार ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि सुखरित ने अपने कठिन परिश्रम, अनुशासन और लगन से न केवल अपने माता-पिता, गुरुओं और क्लब, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। क्लब के प्रशिक्षकों ने कहा कि सुखरित की यह जीत अकैडमी के अन्य खिलाडिय़ों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगी और आने वाले समय में और भी खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर ओलंपियन एवं अर्जुन अवॉर्डी कोच जय भगवान, इंटरनेशनल कोच डॉ. राजीव गोदारा, अकैडमी कोच प्रदीप कुमार व प्रवीन कुमार ने संयुक्त रूप से सुखरित को बधाई दी।

कोटा एक्सप्रेस का डिंगमंडी स्टेशन पर ठहराव को लेकर प्रधानमंत्री को भेजी चिट्ठी

सिरसा। डिंग मंडी रेलवे स्टेशन पर कोटा एक्सप्रेस का स्टोपेज करवाने की मांग को लेकर सीनियर सिटीजन मनोहर लाल वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी भेजी है। पत्र की कॉपी रेलवे मंत्री भारत सरकार, नई दिल्ली, चेयरमैन रेलवे बोर्ड, डीआरएम बीकानेर मण्डल, जीएम (एन डब्ल्यू आर) रेलवे विभाग जयपुर को भी प्रेषित की गई है। मनोहर लाल वर्मा ने बताया कि डिंग मण्डी रेलवे स्टेशन पर अब 3 लाईन बन चुकी है और आपके द्वारा मंजूर हाई लेवल प्लेटफार्म का काम भी शुरू हो चुका है।

देव उठनी एकादशी पर रामदेवरा पहुंचे श्रद्धालुओं ने की पूजा अर्चना

फतेहाबाद। देव उठनी एकादशी व कार्तिक माह की चांदनी दशमी के उपलक्ष्य में श्रद्धालु शक्ति नगर स्थित प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर रामदेवरा पहुंचे और बाबा रामदेव महाराज की संध्या आरती में शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेव महाराज के दरबार में हाजिरी लगाकर नारियल ध्वजा चढ़ाई। श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेव महाराज की परिक्रमा करते हुए बाबा रामदेव महाराज की महिमा में जयकारे लगाकर आसपास के माहौल को भक्तिमय कर दिया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने ढोल नगाड़ो, घड़ियाल व शंख आदि बजाकर भगवान विष्णु के अवतार बाबा रामदेव महाराज के प्रति अपनी आस्था व विश्वास प्रकट किया। श्री बाबा रामदेव सेवा समिति के प्रधान रमेश जोइया ने समिति सदस्यों के साथ बाबा रामदेव महाराज को फूलों की माला अर्पित कर विधि-विधान से पूजा अर्चना व अराधना करते हुए क्षेत्र की सुख-शांति व खुशहाली की कामना की। बाबा रामदेव महाराज की पावन व सांची जोत प्रज्ज्वलित की गई। आरती उपरांत बाबा रामदेव महाराज का चूरमा, मिश्रि, फल, मिष्ठान, मेवे व बताशें आदि का भोग लगाकर प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। इस मौके पर समिति प्रधान रमेश जोइया, श्री ब्राह्मण सभा के प्रधान रामनिवास शर्मा, राकेश जोइया, विरेन्द्र बाली मित्तल, कमलकांत डाबी, किशन लाल चौहान, आर्यन आहुजा, सोनू शर्मा, हार्दिक आहुजा, तिलक गहलोत, जसनप्रीत सेठी आदि मौजूद रहे।

फतेहाबाद। रामदेव मंदिर में पूजा अर्चना करते श्रद्धालु।

देवउठनी एकादशी पर गो सेवा व महिला सेवा कार्यक्रम आयोजित

फतेहाबाद। देव उठनी एकादशी के अवसर पर रोटरी क्लब फतेहाबाद चैंपियंस द्वारा कृष्णा प्रणामी गोशाला में गौ पूजन एवं सामुदायिक सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्लब सदस्यों ने गौशाला पहुंचकर गो पूजन, गौ सेवा और गऊओं को गुड़ व हरा चारा अर्पित किया। कार्यक्रम के दौरान गोशाला प्रांगण में रह रही अनाथ, मानसिक रूप से विशेष महिलाओं और वृद्ध महिलाओं को फल, मिठाइयां एवं आवश्यक सामग्री वितरित की गई।

पुलिस की नौकरी जन सेवा का बेहतरीन माध्यम : एसपी

खुला दरबार लगाकर एसपी ने सुनीं जवानों की समस्याएं

पुलिस जवानों को हमेशा समाज हित में कार्य करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने पुलिस लाइन में सोमवार को सप्ताहिक जनरल परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक ने जवानों को अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि पुलिस जवानों को हमेशा समाज हित में कार्य करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि थाना में आने वाले फरियादियों के साथ अच्छा व्यवहार करें। प्राथमिकता के आधार पर उनकी सुनवाई कर शीघ्र अति शीघ्र न्याय दिलवाने की कोशिश करनी चाहिए। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में प्रत्येक पुलिस कर्मी अहम भूमिका निभाएं तथा अपनी ड्यूटी के दौरान बारिकी से प्रत्येक व्यक्ति की जांच करने उपरांत ही जाने दें। हुंगदड़बाजी कर आमजन की शांति भंग कर कानून के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें।

सिरसा। जनरल परेड का निरीक्षण करते एसपी। *फोटो : हरिभूमि*

थाना प्रभारियों को दी सख्त हिदायत

पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि किसी भी अनुसंधानकर्ता का कार्य पेंडिग नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस की नौकरी जन सेवा का बेहतरीन माध्यम है और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी कर्तव्य का बेहतर ढंग से निर्वहन करते हुए सच्ची निष्ठा और ईमानदारी से ड्यूटी कर समाज में पुलिस की एक बेहतर छवि के लिए काम करना चाहिए। पुलिस कर्मचारी को अपने जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए और उस लक्ष्य को पाने के लिए दिन रात मेहनत में लग जाना चाहिए। जनरल परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने थाना क्षेत्रों में राईडरों पर तैनात पुलिस कर्मचारियों से कहा कि पुलिस जवानों को हमेशा आमजन के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करना चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए।

धरने पर बैठे वार्ड 9 के पार्षद की तबीयत बिगड़ी

फतेहाबाद। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 9 की समस्याओं को लेकर चल रहे धरने के दौरान पार्षद सुभाष नायक की तबीयत अचानक बिगड़ गई। जानकारी के अनुसार, सुभाष नायक वार्ड की जर्जर सड़कों, सीवरेज जाम और साफ-सफाई की समस्याओं को लेकर धरने पर बैठे हुए है। धरने पर मौजूद स्थानीय निवासियों ने बताया कि वार्ड में लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, जिसके चलते पार्षद ने खुद मोर्चा संभालते हुए धरना शुरू किया था। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द वार्ड की समस्याओं का समाधान किया जाए ताकि जनता और पार्षद को इस प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

NAME CHANGE

I, Mukesh S/o Pyare Lal R/o Village Landhari Sukh Lambra, Distt. Hisar declare that in date of birth certificate of my son his name is written as Pardhum Punia but in 10th DMC of my son his name is written as Pradyum Punia. He is the one and the same person. Now, I have changed the name of my minor son Pradyum Punia to Pardhum Punia, In Future, he shall hereafter be known as Pardhum Punia for all purposes.

खबर संक्षेप

पंचायत अधिकारी ने सुनीं जनसमस्याएं

सिरसा। लघु सचिवालय में जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी बलजीत सिंह ने सोमवार आमजन की शिकायतें सुनी। समाधान शिविरों में कुल 12 शिकायतें आई। समाधान शिविर में वरिष्ठ अधिकारियों ने आमजन की समस्याएं सुनते हुए विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों के प्रति संबंधित विभाग जवाबदेह है और समयबद्ध ढंग से समस्या का निराकरण किया जाना चाहिए।

राज्य स्तरीय खेल के लिए आज होंगे ट्रायल

सिरसा। खेल विभाग द्वारा 11 से 13 नवंबर तक आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के लिए सिरसा जिले के एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, तैराकी, बैडमिंटन और वॉलीबॉल खिलाड़ियों के ट्रायल चार नवंबर को लिए जाएंगे। जिला खेल अधिकारी जगदीप सिंह ने बताया कि एथलेटिक्स, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल के लिए ट्रायल सिरसा के शहीद भगत सिंह स्टेडियम में शाम 4 बजे होंगे। इसी प्रकार तैराकी के ट्रायल जिला स्विमिंग क्लब नजदीक किसान चौक बाईपास में शाम 4 बजे तथा बैडमिंटन के लिए ट्रायल सिरसा क्लब में सुबह 10 बजे होंगे।

फ्री हेल्थ चैकअप कैंप में 80 का जांचा स्वास्थ्य

सिरसा। लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में स्थानीय बरनाला रोड स्थित चौ. देवीलाल पार्क में फ्री हेल्थ चैकअप कैंप का आयोजन किया गया। डा. सोनी पैथ लैब सिरसा के सहयोग से आयोजित इस कैंप में 80 नागरिकों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई। जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव लाल बहादुर बैनीवाल ने बताया कि उपायुक्त शांतनु शर्मा के मार्गदर्शन में जिला रेडक्रॉस सोसायटी की शाखा अस्पताल कल्याण अनुभाग द्वारा शिविर का आयोजन किया गया।

बीपीएल कार्डों पर सरकार की नीयत ठीक नहीं

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा पिछले कुछ महीनों में बड़े पैमाने पर बीपीएल कार्ड रद्द किए जाने से लाखों गरीब परिवारों को गहरी चोट पहुंची है। हालिया सरकारी आंकड़ों के अनुसार मात्र छह महीनों में 11.83 लाख बीपीएल कार्ड धारकों को गरीबी रेखा से बाहर कर दिया गया, जिनमें से 4.73 लाख कार्ड सीधे रद्द कर दिए गए। इस निर्णय से लगभग 12.89 लाख लोग प्रभावित हुए हैं और सबसे अधिक असर फरीदाबाद, हिसार, सिरसा, भिवानी और अंबाला जिलों में देखा गया है।

गुरु पर्व पर श्री अखंड पाठ का भोग 8 को

ओढां। धन गुरु नानक क्लब ओढ़ा द्वारा गुरुपर्व के अवसर पर 9वें श्री अखण्ड पाठ का प्रकाश 6 नवम्बर को करवाया जाएगा। जानकारी देते हुए क्लब के प्रधान लखी ओढ़ा ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी गुरुपर्व के अवसर पर मंडी वाली धर्मशाला में 6 नवम्बर दिन वीरवार को श्री अखंड पाठ का प्रकाश करवाया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि 8 नवम्बर दिन शनिवार को अखण्ड पाठ का भोग डाला जाएगा।

गुरु तेग बहादुर का बलिदान दिवस मनाया

रतिया। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां बलिदान दिवस बहुत श्रद्धा से मनाया गया। समारोह में विद्यालय की छात्राओं ने भाषण, जीवनी, वाद- विवाद, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। समारोह के आरंभ में साहित्यकार नैब सिंह मंडेर ने बलिदान दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। मंच संचालन सिमरन कौर ने किया। छात्रा हर्षदीप कौर ने श्री गुरुदेव तेग बहादुर जी की जीवनी एवं बलिदान बारे जानकारी दी। इस अवसर पर हिंदी में छात्रा पूजा, जैसमीन ने व अंग्रेजी में छात्रा नुशिका ने गुरु तेग बहादुर जी की जीवनी प्रस्तुत की।

भाजपा ने किसानों को किया बर्बाद, मुआवजा देने से पीछे भाग रही सरकार : सुनैना चौटाला

खेतों से पानी की निकासी, मुआवजे व खाद की किल्लत को लेकर इनेलो ने किया प्रदर्शन

इनेलो नेता बोले, सरकार की शह पर बीमा कम्पनियां किसानों की क्लेम की राशि को हड़पने का काम कर रही

फतेहाबाद। किसानों की समस्याओं को लेकर सुनैना चौटाला के नेतृत्व में प्रदर्शन किसान व इनेलो कार्यकर्ता व किसानों की समस्याओं को लेकर डीसी को मांग पत्र सौंपते सुनैना चौटाला।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

इनेलो महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने किसानों को बर्बाद करके रख दिया है। फतेहाबाद जिले में भारी बरसात और खेतों में जलभराव से किसानों की फसलें पूरी तरह नष्ट हो चुकी है लेकिन भाजपा सरकार किसानों को मुआवजा देने में कदम पीछे छीन रही है। सरकार की शह पर बीमा कम्पनियों किसानों की क्लेम की राशि को हड़पने का काम कर रही है जिसे इनेलो किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी और आंदोलन को तेज किया जाएगा। वह सोमवार को इनेलो द्वारा किसानों की मांगों को लेकर फतेहाबाद में किए गए प्रदर्शन के दौरान किसानों को संबोधित कर रही थी। किसानों की खरीफ की फसलों एवं पशुओं को हुए नुकसान की समुचित भरपाई, फसलों की एमएसपी पर खरीद और डीएपी/यूरिया खाद की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग को लेकर इनेलो द्वारा सुनैना चौटाला के नेतृत्व में सोमवार को फतेहाबाद में रोष प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन करते हुए इनेलो कार्यकर्ता व किसान लघु सचिवालय पहुंचे और डीसी डॉ. विवेक भारती को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

जलभराव से किसानों को कमर टूटी

प्रदर्शन के दौरान किसानों को संबोधित करते हुए सुनैना चौटाला ने कहा कि जुलाई से सितम्बर महीने में ज्यादा बारिश के कारण व सेम के चलते खेत में भारी जलभराव हो गया और किसानों की फसलों को भारी खराबा हुआ है। खासकर प्रदेश के 12 जिलों में अत्याधिक नुकसान हुआ है। करीब साढ़े 4 लाख किसानों की 19 लाख एकड़ फसल खराब हो गई है वहीं हजारों गांव इससे प्रभावित हुए है। इसके बावजूद भाजपा सरकार द्वारा अभी तक किसानों को मुआवजा नहीं दिया गया है। किसानों की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर होने व खेतों में जलभराव के कारण किसान अगली फसल की बिजाई करने में असमर्थ है। अगर खेतों से जल्द पानी निकासी नहीं हुई तो किसान रबी फसलों की बिजाई नहीं कर पाएंगे। इसके अलावा जिन किसानों की थोड़ी बहुत फसल हुई है, उसे भी मण्डियों में पूरा दाम नहीं मिल रहा। औने-पौने दामों पर फसल खरीदकर किसानों को लूटा जा रहा है। धान में नमी के नाम पर 400 रुपये प्रति क्विंटल तक कटौती की जा रही है। मुआवजे के लिए प्रदेशभर में किसान प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं कर रही। सुनैना चौटाला ने कहा कि बीमा कम्पनियां भी खराबे का उचित मुआवजा देने से भाग रही रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। पर्याप्त मात्रा में खाद देने की बजाय भाजपा सरकार किसानों को बेइज्जत करने का काम रही है। आज भाजपा सरकार ने आज प्रदेश में अघोषित इमरजेंसी जैसे हालात बना रखे हैं। अतिक्रमण हटाओ अभियान के नाम पर दुकानदारों को बर्बाद किया गया है। इनेलो पूरी तरह इन दुकानदारों के साथ खड़ी है। सुनैना चौटाला ने मांग की कि जलभराव से खराब फसलों का तुरंत मुआवजा जारी किया जाए और बीमा कम्पनियों की मनमानी पर रोक लगाई जाए। खेतों में खड़े पानी की जल्द निकासी की व्यवस्था हो ताकि किसान गेहूं की बिजाई कर सके। किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध करवाई जाए और इसके कालाबाजारी करने वालों पर कार्रवाई हो।

किसान कर रहे त्राहि-त्राहि, सरकार मना रही जीएसटी उत्सवः आदित्य

सिरसा। डबवाली के विधायक आदित्य देवीलाल ने कहा कि एक ओर पूरे प्रदेश में किसान वर्ग सरकार द्वारा उनके प्रति बरती जा रही लापरवाही व उदासीनता पर त्राहि-त्राहि कर रहा है, वहीं सरकार झूठे स्तर पर कम की गई जीएसटी का उत्सव मना रही है, जो महज छलावा और निंदनीय है। आदित्य देवीलाल सोमवार को सिरसा के लघुसचिवालय में इनेलो द्वारा किसानों के समर्थन में किए गए धरना-प्रदर्शन को संबोधित कर रहे थे। इनेलो ने राज्यपाल के नाम उपायुक्त को किसानों की मांगों से संबंधित एक ज्ञापन भी सौंपा। विधायक आदित्य ने कहा कि भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली से आज प्रदेश का हर वर्ग परेशान व दुखी है और इससे छुटकारा चाहता है। इसी कड़ी में जहां किसानों को पिछले दिनों बेमौसमी बरसात और बाढ़ का सामना करना पड़ा था जिससे उनकी अधिकांश फसल पूरी तरह से चौपट हो गई मगर इस संवेदनहीन सरकार की ओर से अभी तक न तो नष्ट हुई फसलों की विशेष गिरदावरी ही करवाई है और न ही उन्हें मुआवजा दिया गया है। उन्होंने इसे घोर चिंतनीय बताया कि पिछले दिनों हुई बरसात का पानी अभी तक भी खेतों में जमा है जिसकी निकासी का कोई प्रबंध अभी तक नहीं हुआ है।

फोटो : 03सिरसा04 : किसानों की मांगों के समर्थन में रोष प्रदर्शन करते इनेलो कार्यकर्ता।

आंदोलन की वर्षगांठ पर 26 को करेंगे प्रदर्शन

■ किसान संगठन विरोध प्रदर्शन को लेकर बनाई रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। डीसी दफ्तर पर आक्रोश प्रदर्शन करते किसान-मजदूर नेता।

किसान आंदोलन की वर्षगांठ पर 26 नवंबर को राष्ट्रीय आह्वान पर जनता के ज्वलंत मुद्दों को लेकर डीसी दफ्तर फतेहाबाद पर आक्रोश प्रदर्शन किया जाएगा। यह निर्णय रामकुमार बहबलपुरिया की अध्यक्षता में आयोजित किसान सभा, खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन एवं सीआईटीयू के पदाधिकारियों की संयुक्त मीटिंग में लिया गया। मीटिंग में चर्चा करते हुए नोट किया गया कि फतेहाबाद जिले की हजारों एकड़ जमीन बरसाती पानी एवं सेम की वजह से प्रभावित हो गई है, हजारों मकानों को नुक्सान हुआ है लेकिन सरकार की तरफ से कोई मुआवजा देना तो दूर भाजपा का शासन प्रशासन लीपा-पोती में लगा हुआ है। बीमा कंपनियां बीमा क्लेम देने में कोताही कर रही है। बिजाई के लिए खाद बीज की भारी किल्लत है। इस संकट के हालात में भूमिहीन ग्रामीण मजदूरों के लिए मनरेगा कानून से कुछ राहत दी जा सकती थी लेकिन भाजपा सरकार मनरेगा को ही खत्म करने पर तुली हुई है। काम मांगने वाले मजदूरों को काम नहीं दिया जा रहा और किए गए काम के महीनों तक दिहाड़ी मजदूरी नहीं मिलती। किसान नेता ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों कर्मचारियों की मिलीभगत से मनरेगा में सरेआम भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

ये रहे मौजूद

मीटिंग में किसान नेता विष्णु दत्त शर्मा, राजेंद्र प्रसाद बाटू, जगतार सिंह, रामकुमार बहबलपुरिया, प्यारा राम म्योंद, ओमप्रकाश अनेजा, मदन सिंह, धर्मपाल जांडली, ओमप्रकाश भूथन मौजूद थे।

समाधान शिविर में एडीसी ने सुनीं शिकायतें, कार्रवाई करने के निर्देश

■ सचिवालय स्थित सभागार सुबह दस से 12 बजे तक लगा शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनते एडीसी अनुराग ढालिया।

लघु सचिवालय स्थित सभागार में सोमवार को अतिरिक्त उपायुक्त अनुराग ढालिया ने नागरिकों की विभिन्न शिकायतों एवं समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुना। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत पर समयबद्ध, पारदर्शी और परिणामोन्मुख कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जनता को राहत का वास्तविक अनुभव हो सके। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविर का उद्देश्य जनहित से जुड़ी समस्याओं के समाधान को नई गति प्रदान करना और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को जनभावनाओं के अनुरूप बनाना है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निर्देशानुसार जिले में प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक लघु सचिवालय में नियमित रूप से समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

अपेक्स कॉन्वेंट स्कूल के बच्चों ने रोलर स्केटिंग में दिखाया जलवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिला रोलर स्केटिंग एसोसिएशन द्वारा टोहाना में आयोजित रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में अपेक्स कॉन्वेंट स्कूल के नन्हे खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय की यूकेजी कक्षा की छात्रा दिशा ने 6 वर्ष से कम आयु वर्ग में स्वर्ण पदक अर्जित किया, वहीं 6 वर्ष आयु वर्ग में प्रथम कक्षा के छात्र विदित तिडदिया ने भी स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का परचम बुलंद किया। विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर अमित मक्कड़ ने बच्चों की इस असाधारण उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, अनुशासन और उनके कोच के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी हिस्सा लेना चाहिए।

रबी सीजन में सुपरसीडर से गेहूं की बिजाई करने को किया प्रोत्साहित

■ कृषि विकास अधिकारी ने किसानों से की भेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। सुपर सीडर से गेहूं की बिजाई करते किसान।

कृषि विकास अधिकारी डॉ. अंकित ढिल्लों ने रबी सीजन में गेहूं की बिजाई करने वाले किसानों से सुपरसीडर तकनीक अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि धान की कटाई और बिजाई के बीच उचित प्रबंधन से फसल की बेहतर स्थापना होती है और पराली प्रबंधन भी सुचारू रूप से किया जा सकता है। कंबाइन में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम का उपयोग किया जाए, ताकि फसल अवशेष खेत में समान रूप से फैल सकें और सुपरसीडर का संचालन बिना किसी रुकावट के हो सके। कृषि अधिकारी ने किसानों को बीज उपचार के महत्व के बारे में भी बताया और यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि बीज का उपचार सही क्रम में किया जाए। 40 किलोग्राम बीज हेतु बीजोपचार प्रक्रिया का पालन करें जिसमें कीट नियंत्रण के लिए क्लोरपाइरीफॉस 160 मि.ली. को 2 लीटर पानी में मिलाकर बीज पर छिडक़ाव करें।

बड़ोपल में किसानों की बैठक में 17 सदस्यीय कमेटी गठित

सरकार ने किसानों को नहीं किया मुआवजे का भुगतान

■ गेहूं का बीज सोसायटी के माध्यम से देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। गांव बड़ोपल में हुई बैठक में भाग लेते किसान। *फोटो : हरिभूमि*

अखिल भारतीय किसान सभा गांव बड़ोपल की जनरल बाडी मीटिंग सोमवार को किसान नरसी राम की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन भगवान दास ने किया वहीं मुख्य वक्ता के तौर पर जिला प्रधान विष्णु दत्त ने हिस्सा लिया। बैठक में जलभराव और सेम के कारण खराब हुई फसलों व ढाणियों को हुए नुकसान की भरपाई के वायदे को सरकार द्वारा अब तक पूरा न किए जाने पर रोष जताया गया और सरकार से जल्द प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने की मांग की गई। बैठक में फसल बीमा कम्पनियों की मनमानी पर भी रोष जताया। किसानों ने गेहूं की बिजाई के लिए रियायती दर पर खाद व बीज सोसायटी के माध्यम से उपलब्ध करवाने की मांग उठाई।

जलभराव से कई गांवों में फसलें बर्बाद

बैठक को संबोधित करते हुए किसान सभा के जिला प्रधान विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि फतेहाबाद जिले में भारी बरसात और सेम के कारण 30 से अधिक गांवों में खेत जलमग्न हो गए। खासकर गांव बड़ोपल में फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। इसके अलावा ढाणियों को भी काफी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पानी निकासी के लिए किए गए प्रबंध नाकाफी है और अब भी एक बड़े हिस्से में पानी भरा हुआ है। बीमा कंपनियों द्वारा क्लेम देने पर बेवजह ऑब्जेक्शन लगाए जा रहे हैं। ऑब्जेक्शन लगाने का मतलब बीमा कम्पनी किसानों को क्लेम नहीं देना चाहती। किसान सभा मांग करती है कि इन ऑब्जेक्शनों को तुरंत हटाया जाए और बीमा क्लेम का भुगतान किया जाए। इसके अलावा 2023 व 2024 का बकाया मुआवजा व क्लेम जारी हो। पानी निकासी का स्थाई समाधान किया जाए। इस मौके पर 17 सदस्यों की किसान सभा की ग्राम कमेटी का गठन किया गया। इसमें प्रधान हंस राज पंचायत मैम्बर को सचिव, सतबीर सिंह को कोषाध्यक्ष, भगवान दास को उप प्रधान, रामधारी व राजेंद्र सिंह जांगु को सह सचिव, रमेश थापन, कुलदीप सिंह, पवन कुमार, नरसी राम, डुंगर मल, हवा सिंह थापन, सुरेश कुमार थापन, आत्मा राम खिचड़, रामेश्वर ज्याणी, प्रहलाद देहडू, सुनील गोदारा को शामिल किया।

खबर संक्षेप

सीनियर मॉडल स्कूल भिरड़ाना की टीम रही प्रथम

फतेहाबाद। भारत विकास परिषद् की मुख्य शाखा द्वारा भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कारपोरेशन के चेयरमैन भारत भूषण मिढ़ा रहे। उन्होंने मां भारती और स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला संघ चालक विजय चुघ, भाजपा जिला प्रधान प्रवीण जोड़ा और अरोड़वंश महासभा के प्रधान आजाद सचदेवा बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने की।

पॉयनियर की सीए.फाउंडेशन में शानदार उपलब्धि

फतेहाबाद। पायनियर कॉन्वेंट स्कूल, फतेहाबाद के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय दिया है। हाल ही में घोषित सी.ए. फाउंडेशन परीक्षा, सितम्बर सत्र के परिणामों में विद्यालय के पाँच विद्यार्थियों अनमोल, भविश, लविश, गरिमा एवं मैथिली ने सफलता प्राप्त की है। सभी विद्यार्थियों ने यह परीक्षा पहले ही प्रयास में उत्तीर्ण की है, जो कि विद्यालय तथा फतेहाबाद क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। अब ये विद्यार्थी अपने करियर के अगले स्तर की ओर अग्रसर होंगे। विद्यालय के निदेशक विजय निर्मोही एवं निशांत निर्मोही, प्राचार्या गीतिका महता ने छात्रों को सराहा।

जजपा का जिला सम्मेलन आज

फतेहाबाद। जननायक जनता पार्टी का जिला स्तरीय सम्मेलन 4 नवम्बर को फतेहाबाद में होगा। जिला स्तरीय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर जननायक जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष रवीन्द्र बेनीवाल ने जाट धर्मशाला स्थित जेजेपी कार्यालय में बैठक ली। बैठक में 4 नवंबर होने वाले जिला स्तरीय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर आगामी रुप रेखा तैयार की गई। उन्होंने बताया कि जननायक जनता पार्टी का जिला स्तरीय सम्मेलन 4 नवंबर को फतेहाबाद में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला व अन्य हिस्सा लेंगे।

पुस्तकें ज्ञान और चिंतन का अनमोल स्रोत

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ सोमवार को सिरसा के उपायुक्त शंतनु शर्मा ने किया। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि पुस्तकें मानव जीवन की सच्ची मार्गदर्शक होती हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में भी पुस्तकें ज्ञान, चिंतन और सृजनशीलता का अनमोल स्रोत हैं। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों को नवीनतम अध्ययन सामग्री और शोध संसाधनों से परिचित कराएगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विजय कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर रहा है।

जेएनवी में स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

फतेहाबाद। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, खारा खेड़ी में एनएसएस इकाई के अंतर्गत एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इसमें प्रातः कालीन सत्र में योग अभ्यास सत्र में योग शिक्षक अनिल कुमार द्वारा विद्यार्थियों को योगाभ्यास सत्र में योग, ध्यानावस्था, प्राणायाम आदि क्रियाओं का अभ्यास करवाया गया। इसके पश्चात प्राचार्य अनूप सिंह द्वारा एनएसएस के शिविर के आयोजन, उपयोगिता व इससे जुड़ी विभिन्न जानकारियां स्वयंसेवकों के साथ साझा की। कार्यक्रम अधिकारी विजय कुमार द्वारा आज के आयोजन के महत्व की जानकारी दी गई।